भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
औषध विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4310
दिनांक 20 दिसम्बर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

सुविधा सैनिटरी नैपकिन के प्रयोग को बढ़ावा देना

4310. श्रीमती कनिमोझी करुणानिधिः

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के अंतर्गत जन औषधि सुविधा सैनिटरी नैपकिन की उपलब्धता को सुगम बनाने तथा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए इस योजना की शुरुआत से अब तक किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार जन औषधि केंद्रों पर सुविधा सैनिटरी नैपकिन की उपलब्धता बनाए रखने के लिए लगातार स्टॉक की कमी सहित आपूर्ति श्रृंखला संबंधी चुनौतियों का सामना कर रही है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा सुविधा नैपकिन की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा इसकी गुणवत्ता बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और
(घ) उन केंद्रों का राज्यवार ब्यौरा क्या है जहां ये सुविधा सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध हैं?

उत्तर

रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री (श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (घ): पूरे भारत में सभी महिलाओं को मासिक धर्म स्वास्थ्य सेवाओं की आसान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, 27 अगस्त 2019 को "जन औषधि सुविधा ऑक्सी-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी नैपकिन" लॉन्च किया गया, जो देश भर के सभी जन औषधि केंद्रों (जेएके) में 1.00 रुपये प्रति सैनिटरी पैड की दर से बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। जन औषधि सुविधा नैपकिन एक विशेष योजक के साथ आते हैं, जो इसे त्यागने के बाद ऑक्सीजन के संपर्क में आने पर इसे बायोडिग्रेडेबल बना देता है। ये नैपकिन 4 और 10 के पैक में उपलब्ध हैं। शुरूआत से बाद से दिनांक 30.11.2024 तक 64.55 करोड़ से अधिक नैपकिनों की बिक्री जेएके के माध्यम से की जा चुकी है।

पीएमबीजेपी में नैपकिनों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। जेएके के माध्यम से हर महीने औसतन दो करोड़ नैपकिनों की बिक्री की जाती है। जेएके में उपलब्ध नैपकिनों के स्टॉक की निगरानी जेएके के लिए न्यूनतम भंडारण अधिदेश के भाग के रूप में की जाती है, जिसके आधार पर जेएके को उनके द्वारा की गई खरीद पर 20% की दर से 20,000 रुपये प्रति माह की अधिकतम सीमा तक का प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। सुविधा नैपकिन के प्रत्येक बैच को बिक्री हेतु जेएके को आपूर्ति किए जाने से पहले एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता परीक्षण से गुजरता है।

सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से सुविधा नैपकिनों के बारे में नियमित प्रचार किया जा रहा है।

दिनांक 30.11.2024 तक देश भर में कुल 14,320 जेएके खोले जा चुके हैं। भारत में सभी जेएके में सैनिटरी पैड उपलब्ध हैं।

*****